

01025

**BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME
(BDP PHILOSOPHY)**

Term-End Examination

June, 2016

**ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY
BPY-010 : EPISTEMOLOGY**

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

Note : (i) *Answer all five questions.*

(ii) *All questions carry equal marks.*

(iii) *Answers to question no. 1 and 2 should be in about
400 words each.*

1. Critically evaluate the classical theories of truth. 20

OR

Explain major types of erroneous perception 20
(Khyati vada) as discussed in Indian philosophy.

2. Analyze how Postmodernist and Feminist 20
Epistemology consider humans as the knowing
subject.

OR

Discuss various definitions of perception 20
according to Indian philosophical systems.

3. Answer **any two** of the following in about **200** words each :
- (a) Explain the 'tabula rasa' concept of mind according to John Locke. 10
 - (b) Describe the distinction between belief and truth. 10
 - (c) Explain the role of 'trustworthy person' (apta) in Testimony (sabda). 10
 - (d) Discuss the constructivist approach to perception in detail. 10
4. Answer **any four** of the following in about **150** words each :
- (a) Describe doubt and certainty. 5
 - (b) Explain Descartes' Cogito, ergo sum (I think therefore I am) 5
 - (c) Distinguish inference for oneself and for others (Svartha and Parartha) 5
 - (d) Differentiate between a posteriori and a priori knowledge. 5
 - (e) Illustrate the difference between the 'knower' and the 'known'. 5
 - (f) Describe the Philosophical position of skepticism. 5
5. Write short notes on **any five** of the following in about **100** words each :
- (a) Epistemic justification 4
 - (b) Realism 4
 - (c) Primary and secondary qualities 4
 - (d) Inductive method 4
 - (e) Innate ideas 4
 - (f) Objective truth 4
 - (g) Invariable concomitance 4
 - (h) Communicative action of Habermas 4
-

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी. दर्शन शास्त्र)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2016

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शन शास्त्र
बी.पी.वाई.-010 : ज्ञानमीमांसा

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

-
- नोट : (i) सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
(iii) प्रश्न संख्या 1 और 2 में प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए।
-

1. सत्य के शास्त्रीय सिद्धान्तों का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। 20
अथवा
भारतीय दर्शन में वर्णित भ्रामक प्रत्यक्ष (ख्यातिवाद) की मुख्य व्याख्याओं की व्याख्या कीजिए। 20
2. उत्तर आधुनिकतावादी और स्त्रीवादी ज्ञानमीमांसा किस प्रकार मानव को ज्ञाता (Knowing Subject) के रूप में ग्रहण करती है? विश्लेषण करें। 20
अथवा
भारतीय दर्शन के अनुसार प्रत्यक्ष की विभिन्न परिभाषाओं का विवरण दें। 20

3. **किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए :**
- (a) जॉन लॉक के अनुसार मन सम्बन्धी स्वेत पट्टी (Tabula rasa) के प्रत्यय की व्याख्या करें। 10
- (b) विश्वास और सत्य के मध्य अन्तर पर प्रकाश डालिए। 10
- (c) शब्द प्रमाण में आप्त पुरुष की भूमिका की व्याख्या करें। 10
- (d) प्रत्यक्ष के रचनावादी दृष्टिकोण पर विस्तार से चर्चा करें। 10
4. **किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :**
- (a) सन्देह और निश्चितता का वर्णन करें। 5
- (b) देकार्ट के 'मैं सोचता हूँ इसलिए मैं हूँ' विचार की व्याख्या कीजिए। 5
- (c) स्वार्थानुमान एवं परार्थानुमान के मध्य अन्तर कीजिए। 5
- (d) उत्तरानुभविक एवं पूर्वानुभविक ज्ञान में अन्तर स्पष्ट करें। 5
- (e) ज्ञाता तथा ज्ञेय के मध्य अन्तर पर प्रकाश डालें। 5
- (f) सन्देहवाद की दार्शनिक स्थिति का वर्णन करें। 5
5. **किन्हीं पाँच प्रश्नों में प्रत्येक पर लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :**
- (a) ज्ञानात्मक प्रमाणीकरण 4
- (b) यर्थाथवाद 4
- (c) प्राथमिक एवं द्वितीयक गुण 4
- (d) आगमन पद्धति 4
- (e) जन्मजात प्रत्यय 4
- (f) वस्तुगत सत्य 4
- (g) व्याप्ति (Invariable concomitance) 4
- (h) हैबरमास की सम्प्रेषणात्मक क्रिया 4